क्रमीक 965-ज-2-96/10628.— की मतवाल चन्द सोती, पुरुशी साई दिसमल, निवासी गांव काहनीर, तहसील रोहतक, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब बृद्ध पुरुत्कार श्रदिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (ए) तथा 3 (१ए) के बादीन सरसार की बिक्सूचना क्रमांक 1845-ज-2-76/30392, दिनांक 29 सितम्बर, 1979 द्वारा 100 रुपये वाधिक भीर बाद में धिब्सूचना क्रमांक 5041-भार-III-70/29506, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वाधिक भीर उसके बाद मिस्चना क्रमांक 5041-भार-III-70/29506, दिनांक 8 दिसम्बर, 1979 द्वारा 150 रुपये वाधिक भीर उसके बाद मिस्चना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रवसूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाधिक की दर से जागीर बंगूर की गई थी।

2. अब श्री मतवाल चन्च सोनी की दिनांक 29 सितम्बर, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाजा के राज्यपाय, क्यरोवत ध्रिशितमम (जैसा कि छसे हरियाजा राज्य में अपनाया गया है धौर असमें आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की नई सकितयों का प्रयोग करते हुए, इस आगीर को भी मतवाल चन्दसोनी की विश्ववा श्रीमती सितावाई के नाम रबी, 1996 से 1,000 द्वये वाधिक की दर से सनद में दी गई शादीं के अन्तर्गत तबदोल करते हैं।

क्रमांक 100%- ५-१/10632. - श्री रण सिंह, पुत्न श्री नेकी निवासी गांव रिटोली, तहसील रोहतक, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरत्वार रुधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के श्रधीन सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 2778- ५-१-७-२-७/3/37043, दिनांक 17 दिसम्बर, 1973 द्वारा 100 रपये वाचिक श्रीर बाद में स्विसूचना क्रमांक 5041-शार- III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वाचिक श्रीर उसके बाद स्विसूचना क्रमांक 178 9- ५-१-१/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाचिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. सब श्री रण सिंह की दिनांक 6 दिसम्बर, 1994 को हुई मृश्यु के परिणाम स्वह्न हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की बारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रण सिंह की विधवा व्यासती ब्रम्हो देवी के नाम खरीक, 1996 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से तनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . ., प्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्य विभाग ।